कर पूजा मन कर पूजा

कर पूजा मन कर पूजा । गुरुचरणन की गुरुवचनन की ॥

हरि ॐ, हरि ॐ, हरि ॐ, हरि ॐ

गुरु चरणन मे ऐसा क्या है । वैकुन्ठ द्वार यही खुलता है ॥
यह ब्रज भूमि वृन्दावन की ।
मन कर पूजा, कर पूजा....

हरि ॐ, हरि ॐ, हरि ॐ, हरि ॐ

गुरु ही ब्रह्म बना सकते है । घट मे ज्योत जगा सकते है ॥
परमेश्वर नारायणजी की ।
मन कर पूजा, कर पूजा....

हरि ॐ, हरि ॐ, हरि ॐ, हरि ॐ

गुरु बिन भवनिधि तरहि न कोई । जो बिरंची शंकर सम होई ॥
यह वाणी शिवशंकरजी की ।
मन कर पूजा, कर पूजा.....

हरि ॐ, हरि ॐ, हरि ॐ, हरि ॐ

कैसे पूजे गुरु चरणन को । अपना लो बस गुरु वचनन को ॥
गुरु वाणी गुरुगोविन्दजी की ।
मन कर पूजा, कर पूजा.....

हरि ॐ, हरि ॐ, हरि ॐ, हरि ॐ